

लच्छेदार भजन के ये गुलदस्ते है भजन लिरिक्स



लच्छेदार भजन के ये गुलदस्ते है,
कीमत आँकी जाये नहीं ये सस्ते है,
सस्ते है सस्ते है सस्ते है ये सस्ते है,
सस्ते है सस्ते है सस्ते है ये सस्ते है,
लच्छेदार भजन के ये गुलदस्ते है,
कीमत आँकी जाये नहीं ये सस्ते है। bdi

जिसमे है झलक दिलबर की,
मनमोहन मुरलीधर की,
साधक ही पा सकता है,
मंजिल उस ख के घर की,
जो दिल में बसते है,
कीमत आँकी जाये नहीं ये सस्ते है,
लच्छेदार भजन के ये गुलदस्ते है,
कीमत आँकी जाये नहीं ये सस्ते है। bdi

है उसकी याद निराली,
मस्ती में डुबोने वाली,
उस प्रेमी दिल से पूछो,
पी ली जिसने ये प्याली,
जो गम खा हँसते है,
कीमत आँकी जाये नहीं ये सस्ते है,
लच्छेदार भजन के ये गुलदस्ते है,
कीमत आँकी जाये नहीं ये सस्ते है। bdi

हो जिस पर दया प्रभु की,
उसे मिलती रुखी सुखी,
कितने मुर्दे जिस्मों में,
है जान उसी ने फूँकी,
के नैन तरसते है,
कीमत आँकी जाये नहीं ये सस्ते है,
लच्छेदार भजन के ये गुलदस्ते है,
कीमत आँकी जाये नहीं ये सस्ते है। bdi



जो डूबा है इस रस में,
वो कौन किसी के बस में,
प्रीतम की छाप लगी है,
प्रेमी दिल की नस नस में,
ये दुर्लभ रस्ते है,
कीमत आँकी जाये नही ये सस्ते है,
लच्छेदार भजन के ये गुलदस्तें है,
कीमत आँकी जाये नही ये सस्ते है। bdi

गम श्याम बहादुर दिल का,
तड़पन जीवन बिस्मिल का,
क्या चैन कहीं पाएगा,
दीवाना इस महफ़िल का,
लगन में फसते है,
कीमत आँकी जाये नही ये सस्ते है,
लच्छेदार भजन के ये गुलदस्तें है,
कीमत आँकी जाये नही ये सस्ते है। bdi

लच्छेदार भजन के ये गुलदस्ते है,
कीमत आँकी जाये नही ये सस्ते है,
सस्ते है सस्ते है सस्ते है ये सस्ते है,
सस्ते है सस्ते है सस्ते है ये सस्ते है,
लच्छेदार भजन के ये गुलदस्तें है,
कीमत आँकी जाये नही ये सस्ते है। bdi

स्वर – विकास रुईया जी।
